हार्मनी हाउस में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीब बच्चे पा रहे निशुल्क शिक्षा

शिक्षा की रोशनी से जगमग कर रहे दुनिया

गुड़गांव | कार्यालय संवाददाता

सफर शुरू हुए अभी महज एक साल ही हुआ है लेकिन इतने कम समय में ही हार्मनी हाउस ने सैकड़ों जरूरतमंद बच्चों की दुनिया को शिक्षा की रोशनी से जगमग किया है। गरीब बच्चों को बुनियादी शिक्षा देने के मिशन के साथ शुरू हुए इस संस्थान में मौजूदा समय में 170 से ज्यादा बच्चे निःशुल्क शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

शहर के सेक्टर-17 स्थित हार्मनी हाउस में आसपास के झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब बच्चों को बेसिक एजुकेशन दी जाती है। साथ ही इन बच्चों के लिए एक्स्ट्रा-

करिकुलर एक्टीविटीज का आयोजन भी किया जाता है ताकि बच्चों के व्यक्तित्व को निखारा जा सके। हार्मनी हाउस की नींव गौरव सिन्हा और ब्रिटेन में जन्मी उनकी पत्नी लूसी ब्रूस ने इस उम्मीद से रखी ताकि उन गरीब बच्चों को भी शिक्षा नसीब हो सके जिनके मां-बाप उन्हें स्कूल भेजने में सक्षम नहीं है। हालांकि संस्थान के फाउंडर गौरव और उनकी पत्नी दुबई में रहते हैं लेकिन समय-समय पर यह दोनों गुड़गांव आते रहते हैं। हार्मनी हाउस की मैनेजर मेघना बताती हैं कि हार्मनी हाउस में इस वक्त 30 बच्चे ऐसे हैं जिनकी उम्र तीन वर्ष या इससे कम है। हार्मनी हाउस का मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को खेल, शिक्षा, मनोरंजन के साथ-साथ साफ, सुथरा और सुरक्षित वातावरण मुहैया कराना है, जो आसपास की झुग्गी-झोपड़ी में रहते हैं। हार्मनी हाउस में बच्चे सुबह साढ़े नौ बजे आ जाते हैं और शाम पांच बजे तक रहते हैं। पांच शिक्षकों का स्टाफ पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के खानपान पर भी खासा ध्यान रखता है। हार्मनी हाउस में ही बने किचन में बच्चों के लिए नाश्ता और लंच तैयार किया जाता है। इसके साथ ही बच्चों के लिए एक लाइब्रेरी भी बनाई गई है। बच्चों को कंप्यूटर फ्रेंडली बनाने के लिए कंप्यूटर लैब तैयार की जा रही है। मेघना के मुताबिक हार्मनी हाउस में बच्चों के खेलकूद और मनोरंजन पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।